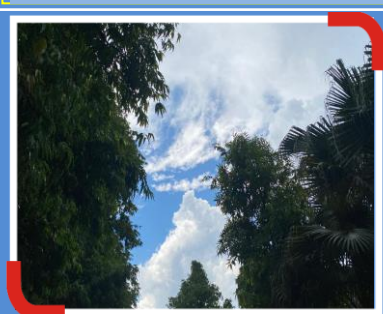




इस अंक में

महत्वपूर्ण घटनाएँ	p1
मौसम की महत्वपूर्ण विशेषताएँ	p2-3
मानसून 2022 की मुख्य विशेषताएँ	p4
विशेष घटनाएँ	p5
कार्यशाला/बैठकें/वीसी	p6-8
प्रशिक्षण/व्याख्यान	p8-10
अवसंरचना विकास और प्रतिष्ठान/राजभाषा अनुभाग	p10-11
अनुसंधान एवं प्रकाशन	p11-12
मीडिया इंटरैक्शन/आगंतुकों	p12



Published by

India Meteorological Department,
MausamBhawan, Lodi Road,
New Delhi - 110 003

Tel. : 011- 43824298
Telefax : 91-11-24699216 &
91-11- 24623220

<https://mausamjournal.imd.gov.in/>
email : mausamps@gmail.com

Edited by

Dr. S. D. Attri
Mr. Sunny Chug

Compiled by

Staff of Editorial Office

महत्वपूर्ण घटनाएँ

76^{वें} स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2022

डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधान मंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग, डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, डॉ. राजेश एस. गोखले, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. श्रीवरी चंद्रशेखर, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. एन. कलैसेल्वी, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग और महानिदेशक सीएसआईआर ने 15 अगस्त, 2022 को आईएमडी का दौरा किया। डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने माननीय मंत्री, सचिवों और एमओईएस, डीबीटी, डीएसटी, डीएसआईआर, आईएमडी, एनसीएमआरडब्ल्यूएफ और स्कूली बच्चे, मीडिया के अधिकारियों का स्वागत किया और IMD की महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला। माननीय मंत्री ने 76^{वें} स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आईएमडी परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया।



राष्ट्रीय ध्वज की मेजबानी करते हुए माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह



आईएमडी में 76^{वें} स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेनेवाले

दक्षिण एशियाई जलवायु आउटलुक फोरम (SASCOF-23)

साउथ एशियन क्लाइमेट आउटलुक फोरम (SASCOF-23) और क्लाइमेट सर्विसेज यूजर फोरम (CSUF) का तेईसवाँ सत्र 26-29 सितंबर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य OND 2022 सीज़न के लिए आम सहमति आउटलुक तैयार करना था। 29 तारीख को आयोजित क्लाइमेट सर्विसेज यूजर फोरम (सीएसयूएफ) का उद्देश्य ओएनडी 2022 के लिए आम सहमति आउटलुक की व्याख्या को समझना और दक्षिण एशिया के लिए जलवायु सेवा के लिए आवेदन/नए उत्पादों का अध्ययन करना था।



SASCOF 23 और CSUF - ऑनलाइन सत्र

दूसरी दक्षिण एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF)

कार्यकारी परिषद की बैठक

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 19-20 सितंबर, 2022 तक बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित "द्वितीय दक्षिण एशिया हाइड्रोमेट फोरम (एसएचएफ) कार्यकारी परिषद की बैठक" में भाग लिया, प्रगति की समीक्षा करने, एसएचएफ क्षेत्रीय में पहचानी गई रणनीतियों और कार्यों पर सहमत होने के लिए दृष्टिकोण, वर्तमान चरण से परे SAHF को बनाए रखने और आगे का रास्ता तय करने के लिए एक तंत्र स्थापित करें। SAHF EC का गठन NMHS के महानिदेशक/निदेशकों द्वारा एक प्रबंधकीय परिषद के रूप में किया जाता है जो SAHF के कार्यन्वयन के लिए रणनीतिक योजनाएँ विकसित करता है।



डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी "द्वितीय दक्षिण एशिया हाइड्रोमेट फोरम (एसएचएफ) कार्यकारी परिषद की बैठक" के दौरान

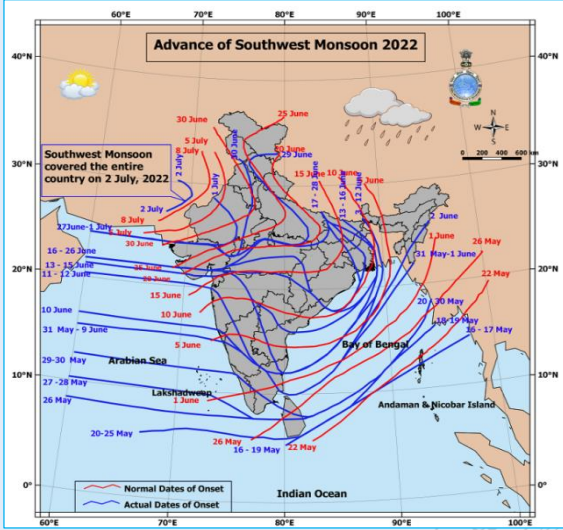


मौसम की महत्वपूर्ण विशेषताएं

जुलाई, 2022 माह की मुख्य विशेषताएं

दक्षिण पश्चिम मानसून का आगे बढ़ना

दक्षिण पश्चिम मानसून 1 जुलाई, 2022 को पूरे पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ और राजस्थान के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है, 2 जुलाई को उत्तर अरब सागर के शेष हिस्सों, गुजरात और राजस्थान राज्यों में और इस तरह, सामान्य 8 जुलाई की तारीख के मुकाबले 2 जुलाई की तारीख को पूरे भारत के लिए मॉनसून कवरेज की सामान्य तारीख से 6 दिन पहले पूरे देश को कवर कर लिया है।



मानसून की उत्तरी सीमा का आगे बढ़ना (एनएलएम) 2022

वर्षा परिदृश्य

देश के लिए वर्षा 327.7 मिमी दर्ज की गई है जो 280.5 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 117% है। माह में 10 उपखण्ड वार वृहद आधिक्य में, 09 उपखण्ड वार आधिक्य में, 08 उपखण्ड वार सामान्य में, 08 उपखण्ड वार न्यूनता में तथा 01 उपखण्ड वार वृहद न्यूनता में जबकि कोई भी सब-डिवीजन वर्षा की "नो रेन" श्रेणी में रहा।

कम दबाव प्रणाली

(i) पहली प्रणाली (4-8 जुलाई) उत्तर ओडिशा और उससे सटे दक्षिण झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में 4 जुलाई, 2022 को बनी और यह अपने जीवन काल के दौरान मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ और आसपास के मध्य भागों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर दक्षिण पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व अरब सागर की ओर बढ़ी।

(ii) दूसरी प्रणाली (9-18 जुलाई) 9 जुलाई को दक्षिण तटीय ओडिशा और पड़ोस में बनी, 12-14 जुलाई के दौरान एक अच्छी तरह से चिन्हित निम्न दबाव क्षेत्र की तीव्रता को प्राप्त किया और बनाए रखा, फिर 17-18 जुलाई, 2022 के दौरान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, एनई विदर्भ की ओर चला गया।

(iii) तीसरी प्रणाली (15-18 जुलाई) 15 जुलाई, 2022 की सुबह पूर्वोत्तर अरब सागर और उससे सटे सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर बनी, 16 जुलाई की सुबह गुजरात तट से दूर पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर एक दबाव में केंद्रित हो गई और कमजोर हो गई। 18 तारीख को सुबह कम दबाव का क्षेत्र और फिर उसी दिन शाम तक और कम दबाव का क्षेत्र बन गया।

(iv) चौथा सिस्टम (24-27 जुलाई) 24 जुलाई को दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और पड़ोस में बना और दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, यह 26 तारीख को उत्तरी अरब सागर में उभरा और 27 तारीख को पश्चिम की ओर चला गया; जुलाई 2022 में एलपीएस दिनों की कुल संख्या महीने के सामान्य 13.5 दिनों के मुकाबले 21 दिन थी।

तापमान परिदृश्य

क) महीने का औसत तापमान 28.17 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य (27.98 डिग्री सेल्सियस) से +0.19 डिग्री सेल्सियस अधिक था।
ख) 8 जुलाई, 2022 को गंगानगर (पश्चिम राजस्थान) में उच्चतम अधिकतम तापमान 41.8°C दर्ज किया गया था और 19 जुलाई, 2022 को खरगोन (पश्चिम मध्य प्रदेश) में न्यूनतम न्यूनतम तापमान 16.4 °C दर्ज किया गया था।

अगस्त, 2022 माह की मुख्य विशेषताएं

वर्षा परिदृश्य

देश के लिए वर्षा 263.7 मिमी दर्ज की गई है जो 254.9 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 103% है। माह में 04 उपखण्डवार वृहद आधिक्य में, 08 उपखण्डवार आधिक्य में, 14 उपखण्डवार सामान्य में, 09 उपखण्डवार वृहद न्यूनता में तथा 01 उपखण्डवार वृहद न्यूनता में तथा कोई भी उपखण्ड वर्षा नहीं की श्रेणी में रहा।

कम दबाव का क्षेत्र

महीने के दौरान चार कम दबाव के क्षेत्र बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हुए और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में चले गए। महीने के दौरान 16.3 दिनों के सामान्य के मुकाबले 19 लो प्रेशर सिस्टम दिन रहे, इस प्रणाली ने मध्य के साथ-साथ प्रायद्वीपीय भारत और राजस्थान में कुछ दिनों में बहुत भारी और अत्यधिक भारी वर्षा के साथ-साथ व्यापक रूप से व्यापक वर्षा की गतिविधि का कारण बना और अरब सागर के ऊपर मानसून के प्रवाह को मजबूत किया और व्यापक वर्षा के साथ-साथ महीने के दौरान प्रायद्वीपीय भारत में विशेष रूप से पश्चिमी तट पर बहुत भारी और अत्यधिक भारी वर्षा की गतिविधिका कारण बने।

(i) तटीय ओडिशा पर डिप्रेसन (9-10 अगस्त)

6 अगस्त, 2022 की शाम को ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों से दूर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में एक कम दबाव का क्षेत्र बना। 7 अगस्त, 2022 की पूर्वाह्न में उत्तर आंध्र प्रदेश के तटसे यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और 10 अगस्त, 2022 की सुबह छत्तीसगढ़ और इससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर WML में कमजोर हो गया।

(ii) पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर दबाव (12-13 अगस्त)

10 अगस्त, 2022 की पूर्वाह्न में सौराष्ट्र और उससे सटे पूर्वोत्तर अरब सागर (एएस) के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया था। यह 10 अगस्त, 2022 की शाम को सौराष्ट्र और उससे सटे पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर एक स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के रूप में बना था। उसके बाद थोड़ा उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता हुआ, यह पूर्व-उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ गया और 13 अगस्त, 2022 की शाम को पूर्वोत्तर और आस-पास के उत्तर-पश्चिम अरब सागर में WML में कमजोर हो गया।



सत्यमेव जयते

(iii) उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर दबाव (14-16 अगस्त)

13 अगस्त, 2022 की पूर्वाह्न में उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना था। यह 13 अगस्त, 2022 की शाम को उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक WML के रूप में स्थित था। यह 14 अगस्त, 2022 की पूर्वाह्न में दीघा (पश्चिम बंगाल) से लगभग 10 किमी दक्षिण-पूर्व में पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के आसपास के तटीय क्षेत्रों में एक डिप्रेशन (Depression) में केंद्रित हो गया। यह 14-16 अगस्त के दौरान दक्षिण झारखंड, उत्तर आंतरिक ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और शाम को राजस्थान के मध्य भागों में एक WML में कमजोर हो गया।

(iv) 19-23 अगस्त के दौरान उत्तर-पश्चिम और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी (BoB) पर डिप्रेशन

18 अगस्त की सुबह पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी (BoB) के उत्तर-पूर्व और आस-पास के क्षेत्रों में एक कम दबाव का क्षेत्र बना था। यह 19 अगस्त की सुबह उत्तर-पश्चिम और बंगाल की खाड़ी से सटे पूर्वोत्तर पर एक दबाव में केंद्रित हो गया। 21 अगस्त, 2022 की सुबह पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश और दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश से सटे। यह 23 अगस्त, 2022 की सुबह (0830 घंटे IST) पूर्वी राजस्थान और आसपास के उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश में एक WML में कमजोर हो गया।

तापमान परिदृश्य

क) महीने का औसत तापमान 27.94 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य (27.55 डिग्री सेल्सियस) से +0.39 डिग्री सेल्सियस अधिक था।
ख) 30 अगस्त, 2022 को महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में चूरू (पश्चिम राजस्थान) में अधिकतम अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और 28 अगस्त, 2022 को तिरुपत्तूर (तमिलनाडु) में न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

सितंबर, 2022 माह की मुख्य विशेषताएं

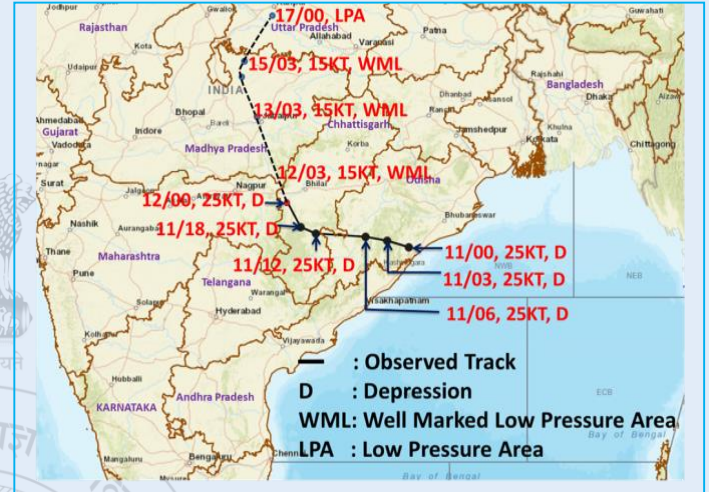
वर्षा परिदृश्य

सितंबर, 2022 माह की मुख्य विशेषताएं महीने के लिए वर्षा 181.3 मिमी दर्ज की गई जो 167.9 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 108% है। माह में 03 उपखण्ड अधिक आधिक्य में, 12 उपखण्ड आधिक्य में, 17 उपखण्ड सामान्य में, 04 उपखण्ड न्यूनता में तथा कोई भी सब-डिवीजन वर्षा की बड़ी कमी, "बारिश नहीं" श्रेणी में रहे।

11-12 सितंबर के दौरान दक्षिण तटीय ओडिशा पर डिप्रेशन

8 सितंबर, 2022 की पूर्वाह्न में पश्चिम मध्य और निकटवर्ती पूर्व मध्य बीओबी पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना था। यह 10 सितंबर की पूर्वाह्न (0300 यूटीसी/0830 बजे आईएसटी) में उत्तरी आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तटों के उत्तर-पश्चिमी बीओबी पर एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र के रूप में स्थित था। अनुकूल परिस्थितियों में, यह 11 सितंबर, 2022 की सुबह (0000 UTC/0530 hrs IST) दक्षिण तटीय ओडिशा और गोपालपुर से लगभग 20 किमी उत्तर पश्चिम में एक डिप्रेशन में केंद्रित हो गया। इसके बाद, यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और 12 सितंबर की दोपहर (0300 UTC/0830 hrs IST) में दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश और पड़ोस में एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर हो गया। इसने अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव

क्षेत्र की तीव्रता को बनाए रखा और 15 सितंबर की दोपहर (0300 यूटीसी / 0830 बजे आईएसटी) तक पूरे मध्य प्रदेश में उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया। यह 17 तारीख की सुबह (0000 यूटीसी/0530 घंटे आईएसटी) उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में कम दबाव वाले क्षेत्र में कमजोर हो गया और उसी पूर्वाह्न (0300 यूटीसी/0830 घंटे आईएसटी) में उसी क्षेत्र में कम चिह्नित हो गया। इस प्रणाली ने अपने जीवन काल के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में काफी व्यापक वर्षा गतिविधि का कारण बना।



अवसाद का अवलोकन किया

सितंबर 2022 के महीने के दौरान, पूरे देश में अधिक वर्षा (एलपीए का 108%) मुख्य रूप से उत्तर और मध्य भारत में विशेष रूप से भारत-गंगा के मैदानी इलाकों में हुई।

सितंबर में, तीन कम दबाव वाले सिस्टम बने थे; दो प्रणालियाँ बंगाल की खाड़ी के ऊपर और एक भूमि के ऊपर। इनमें से एक सिस्टम 11-12 सितंबर 2022 के दौरान डिप्रेशन में बदल गया (विवरण पहले ही ऊपर दिया जा चुका है)। प्रशांत महासागर के ऊपर टाइफून गतिविधि और उनके अवशेषों के पश्चिम की ओर गति ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव प्रणाली के निर्माण में मदद की। कम दबाव प्रणाली और उनके अवशेष लंबे समय तक भूमि पर टिके रहे और इस प्रकार महीने के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में लगातार बारिश की गतिविधि का समर्थन किया।

महीने के दौरान पांच पश्चिमी विक्षोभों ने उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित किया था; कम दबाव वाले क्षेत्रों और उनके अवशेषों के साथ पश्चिमी विक्षोभ की परस्पर क्रिया ने उत्तर पश्चिम भारत और मध्य भारत के आस-पास के क्षेत्रों में तीव्र वर्षा की गतिविधि का कारण बना; पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में निम्न दबाव प्रणालियों की पुनरावृत्ति और उनके अवशेषों ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में वर्षा की गतिविधि को लगातार प्रभावित किया है, जिससे इन क्षेत्रों में मौसमी वर्षा की कमी में कमी आई है।

तापमान परिदृश्य

a) पूरे देश के लिए महीने का औसत तापमान 27.84 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य (27.31 डिग्री सेल्सियस) से +0.53 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

ख) महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 10 सितंबर, 2022 को फलौदी (पश्चिम राजस्थान) में अधिकतम अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और 1 सितंबर 2022 को तिरुपत्तूर (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल) में न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मानसून 2022 की मुख्य विशेषताएं

- पूरे देश में जून से सितंबर के दौरान दक्षिण पश्चिम मानसून मौसमी वर्षा सामान्य से अधिक रही [दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 105 - 110%]।
- मात्रात्मक रूप से, 1 जून से 30 सितंबर 2022 के दौरान अखिल भारतीय मानसून सीजन 1971-2020 (इसके एलपीए का 106%) के आधार पर दीर्घावधि औसत 87.0 सेमी के मुकाबले 92.5 सेमी रही।
- दक्षिण पश्चिम मानसून सीजन (जून से सितंबर) वर्षा दक्षिण प्रायद्वीप (एलपीए का 122%) और मध्य भारत (एलपीए का 119%) पर सामान्य से अधिक रही। उत्तर पश्चिमी भारत में सीजन वर्षा सामान्य (101%) और पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में (एलपीए का 82%) में सामान्य से कम रही।
- मॉनसून कोर जोन, जिसमें देश के अधिकांश वर्षा आधारित कृषि क्षेत्र शामिल हैं, पर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मौसमी (जून से सितंबर) वर्षा सामान्य से अधिक (एलपीए का 120%) रही है।
- कुल 36 मौसम संबंधी उपखंडों में से, देश के कुल क्षेत्रफल का 40% हिस्सा बनाने वाले 12 उपखंडों में अधिक बारिश हुई, 18 उपखंडों (कुल क्षेत्रफल का 43%) में सामान्य बारिश हुई और 6 उपखंडों (कुल क्षेत्रफल का 17%) में कम बारिश हुई। ऋतु वर्षा कम वर्षा वाले इन 6 मौसम उपखंडों में पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा (NMMT) हैं। इन छह उपखंडों में से अधिकांश गंगा के मैदानों में स्थित हैं।
- पूरे देश में महीने दर महीने बारिश में बदलाव को ध्यान में रखते हुए, महीने दर महीने बदलाव के साथ मौसम बहुत ही अनूठा था। पूरे देश में जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर के दौरान एलपीए का क्रमशः 92%, 117%, 104% और 108% वर्षा हुई।

क्षेत्र अवधि पूर्वानुमान (एलपीए का %) वास्तविक वर्षा

क्षेत्र	अवधि	पूर्वानुमान (एलपीए का%)		वास्तविक वर्षा (एलपीए का%)
		14 अप्रैल	31 मई	
अखिल भारतीय	जून से सितंबर	सामान्य (एलपीए का 96-104%)	सामान्य (एलपीए का 96-104%)	106
		एलपीए के 99± 5	एलपीए के 103 ± 4	
उत्तर पश्चिम भारत	जून से सितंबर		सामान्य (एलपीए का 92-108%)	101
मध्य भारत	जून से सितंबर		सामान्य से अधिक (एलपीए का >106%)	119
पूर्वोत्तर भारत	जून से सितंबर		सामान्य (एलपीए का 96-106%)	82
दक्षिण प्रायद्वीप	जून से सितंबर		सामान्य से अधिक (एलपीए का >106%)	122

मानसून कोर जोन	जून से सितंबर	सामान्य से अधिक (एलपीए का >106%)	120
अखिल भारतीय	जुलाई (1 जुलाई को जारी)	सामान्य (एलपीए का 94-106%)	117
अखिल भारतीय	अगस्त (1 अगस्त को जारी)	सामान्य (एलपीए का 94-106%)	103
अखिल भारतीय	अगस्त से सितंबर (2 अगस्त को जारी)	सामान्य (एलपीए का 94-106%)	105
अखिल भारतीय	सितम्बर (1 सितंबर को जारी)	सामान्य से अधिक (एलपीए का >91-109%)	108

मानसून सीजन 2022 में लो-प्रेशर सिस्टम (LPS), वेल मार्कड लो (WML), डिप्रेशन (D), डीप डिप्रेशन (DD), साइक्लोनिक स्टॉर्म (CS) सहित कम दबाव प्रणाली (LPS) की संख्या

सिस्टम / महीना	सा. तू.	डी. डिप्रेशन	डिप्रेशन	वेल मार्कड लो-प्रेशर क्षेत्र	लो-प्रेशर क्षेत्र	कुल सिस्टम
जून	0	0	0	0	1	1
जुलाई	0	0	1	2	1	4
अगस्त	0	1	3	0	0	4
सितंबर	0	0	1	0	2	3

मॉनसून के बाद/पूर्वोत्तर मॉनसून 2022 का लॉन्ग रेंज फोरकास्ट

- आईएमडी ने 30 सितंबर, 2022 को पोस्ट-मानसून सीजन 2022 के दौरान वर्षा और अक्टूबर, 2022 के दौरान वर्षा और तापमान के लिए लंबी दूरी का पूर्वानुमान जारी किया।
- पूर्वोत्तर मानसून सीजन [अक्टूबर से दिसंबर (ओएनडी)] 2022 की बारिश दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में पांच मौसम संबंधी उपखंडों (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) से मिलकर बनी है। सबसे अधिक सामान्य रहने की संभावना है (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 88-112%)। उत्तर पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर जहां सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।
- अक्टूबर 2022 के दौरान, देश के सबसे दक्षिणी क्षेत्र और उत्तरी भाग को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। अक्टूबर 2022 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य [>लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 115%] से अधिक रहने की संभावना है।
- भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य से अधिकतम तापमान अधिक होने की संभावना है, को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। उत्तर पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी हिस्सों जहां सामान्य न्यूनतम तापमान से नीचे रहने की संभावना है को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

• वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में ला नीना की स्थिति प्रबल है। नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि ला नीना की स्थिति वर्ष के अंत तक जारी रहने की संभावना है। अन्य जलवायु मॉडल भी आगामी सीजन के दौरान ला नीना की स्थिति जारी रहने का संकेत दे रहे हैं। वर्तमान में हिंद महासागर पर नकारात्मक आईओडी की स्थिति प्रचलित है और नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि नकारात्मक आईओडी की स्थिति वर्ष के अंत तक कमजोर होने की संभावना है।

विशेष घटनाएँ

समारोह

हिंदी दिवस, 2022

आईएमडी ने वृष्टि सभागार, नई दिल्ली में हिंदी दिवस मनाया और समारोह के दौरान डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने कर्मचारियों के बीच हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आईएमडी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

स्वतंत्रता दिवस, 2022

डॉ. गीता अग्निहोत्री, वैज्ञानिक 'एफ' ने एमसी बेंगलुरु में स्वतंत्रता दिवस, 2022 के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।



राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद डॉ. गीता अग्निहोत्री

डॉ. एस बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' ने 76^{वें} भारतीय स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। आरएमसी कोलकाता द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था।



डॉ. एस. बंद्योपाध्याय राष्ट्रीय ध्वज का लघुचित्र धारण करते हुए

10 अगस्त, 2022 को डॉ. एस बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मौसम, जलवायु और जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता कार्यक्रम "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर एक व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर आयोजित निबंध लेखन, फोटोग्राफी, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में स्कूल और कॉलेजों के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। स्कूलों और कॉलेजों के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए और भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए।



डॉ. एस बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' घटनाओं के विजेताओं के साथ समझौता ज्ञापन

8 सितंबर, 2022 को मैं भविष्य के अनुसंधान प्रयासों को मजबूत करने के लिए आईएमडी और पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब दोनों संगठनों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।



पंजाबी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और अन्य अधिकारियों के साथ डॉ. मृत्युंजय महापात्र, डीजीएम

आईएमडी नई दिल्ली में, 22 सितंबर, 2022 को मौसम विज्ञान पर सहयोगी अनुसंधान के लिए आईएमडी और एसएआईआरडी, कोलकाता के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।



IMD और SAIARD, कोलकाता के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

19 जुलाई, 2022 को जलवायु और पर्यावरण निगरानी और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए आईएमडी और एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।



आईएमडी और एमिटी यूनिवर्सिटी, गुडगांव के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

कार्यशाला

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी और डॉ. डी. आर. पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ' ने 1-2 अगस्त, 2022 के दौरान पहली केरल राज्य जलवायु परिवर्तन हितधारक परामर्श कार्यशाला (केसीसीएससीडब्ल्यू-उपयोगकर्ता क्षेत्रों की मौसम और जलवायु सूचना आवश्यकताओं की पहचान के लिए) में भाग लिया।

श्री राजा आचार्य, मेट. 'ए' ने 15-17 अगस्त, 2022 के दौरान इंटरनेशनल सेंटर फॉर थ्योरेटिकल फिजिक्स, इटली द्वारा आयोजित ऑनलाइन वर्कशॉप "फ्रॉम ग्लोबल टू कोस्टल: कल्टीवेटिंग न्यू सॉल्यूशंस एंड पार्टनरशिप्स फॉर एन एन्हांस्ड ओशन ऑब्जर्विंग सिस्टम इन ए डिकेड ऑफ एक्सलरेटिंग चेंज" में भाग लिया। UN/IAEA), GOOS और CLIVAR (WMO)।

डॉ. सोमा सेनराय, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री उमाशंकर दास, वैज्ञानिक 'सी' ने 25-26 अगस्त, 2022 के दौरान फकीर मोहन विश्वविद्यालय (एफएमयू), बालासोर में "लाइटनिंग-नॉर्थ ओडिशा ट्राइबल लाइटनिंग रेजिलिएंस प्रोग्राम-2022" पर कार्यशाला और हितधारकों की बैठक में भाग लिया, जो पीजी भूगोल विभाग, एफएमयू और क्लाइमेट रेजिलिएंट ऑब्जर्विंग सिस्टम्स प्रमोशन काउंसिल (CROPC) और भारत मौसम विज्ञान विभाग संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

श्री राजा आचार्य, मेट 'ए' ने WMO, ITU, IFRC और OASIS द्वारा 19-20 सितंबर, 2022 के दौरान आयोजित ऑनलाइन "WMO CAP कार्यान्वयन" कार्यशाला में भाग लिया।

बैठकें / वीडियो कॉन्फ्रेंस

डॉ. एच. आर. बिस्वास, वैज्ञानिक 'ई' ने 4 और 25 जुलाई, 2022 को वीबेक्स लिंक के माध्यम से एसी और सीडीआरसी, डीएएफई, ओडिशासरकार की अध्यक्षता में "खरीफ - 2022 के लिए सूखा प्रबंधन पर फसल मौसम निगरानी समूह समिति की बैठक" में भाग लिया तथा 1, 8 और 16 अगस्त, 2022 को Microsoft टीमों के माध्यम से वर्चुअल मोड परकृषि उत्पादन आयुक्त, ओडिशा सरकार, की अध्यक्षता में बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) ने 5 जुलाई, 2022 को मेट वॉच ऑफिस, आईजीआई एयरपोर्ट, पालम का दौरा किया और दृष्टि आरवीआर सिस्टम की कार्यक्षमता सहित मौसम सेवाओं की सुविधाओं की समीक्षा की तथा एटीसी-एआई डायल (वायु पक्ष) में आईएमडी के अधिकारियों के साथ बातचीत की।

श्री आशीष कुमार, वैज्ञानिक 'सी' ने बिहार 15 जुलाई, 2022 को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना द्वारा चल रहे मानसून के सीजन में आपदा प्रबंधन के लिए सूचना के प्रसार के प्रोटोकॉल के संबंध में आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. डी. आर. पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ' ने 16 जुलाई, 2022 को आयोजित इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट चेंज स्टडीज (आईसीसीएस), कोट्टायम की रिसर्च काउंसिल (आरसी) की पहली बैठक में (ऑनलाइन) भाग लिया।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय, IMD और INCOIS के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपतटीय उद्योगों के लिए अनुकूलित स्थान विशिष्ट पूर्वानुमान उत्पन्न करने के लिए अवलोकन नेटवर्क के संवर्द्धन के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के लिए 19 जुलाई, 2022 को बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. राजावेल, वैज्ञानिक 'ई' ने 19 जुलाई, 2022 को NKAFC, धारवाड़ की गतिविधियों को जारी रखने के संबंध में MC बैंगलुरु और NKAFC धारवाड़ से जुड़ी बैठक में भाग लिया।

श्री विवेक सिन्हा, वैज्ञानिक 'एफ' ने 21 जुलाई, 2022 को नगर राजभाषा कार्यव्ययन समिति, पटना द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' और डॉ. आशा लटवाल, वैज्ञानिक 'सी' ने 25 जुलाई, 2022 को डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' की अध्यक्षता में "जीकेएमएस के तहत गतिविधियों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा" करने के लिए आरएमसी और आईएमडी के एमसी के निदेशक/प्रमुख, एएएसडी, आईएमडी, नई दिल्ली और एग्रीमेट डिवीजन, आईएमडी, पुणे के वैज्ञानिक, एएमएफयू के नोडल अधिकारी और तकनीकी अधिकारी के साथ ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. सती देवी, वैज्ञानिक 'एफ' ने 26 जुलाई, 2022 को एनडीएमए भवन में ब्रिक्स विशेषज्ञ स्तर की कार्यशाला (डॉ. ए. के. दास, वैज्ञानिक 'ई' और श्रीमती मोनिका शर्मा, वैज्ञानिक 'डी' के साथ) में भाग लिया और 'पूर्व चेतावनी' आईएमडी की सेवाएं पर एक प्रस्तुति दी।

श्री अभिषेक आनंद, वैज्ञानिक 'सी' ने 27 जुलाई, 2022 को बाढ़ की तैयारी के संबंध में एनडीएमए द्वारा "टेबल टॉप एक्सरसाइज" में भाग लिया।

श्री जे. पी. गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ' ने माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेशसरकार की अध्यक्षता में कम वर्षा के मददेनजर उत्तर प्रदेश में वर्षा की वर्तमान स्थिति और भविष्यवाणी के संबंध में 1 अगस्त, 2022 को लखनऊ में बैठक में भाग लिया।

श्री राजा शेखर शिवराजू, वैज्ञानिक 'सी' ने 1 अगस्त, 2022 को आयुक्त, वसई-विरार, महाराष्ट्र की अध्यक्षता में तटीय सुरक्षा समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।

श्री राहुल एम., वैज्ञानिक 'सी' ने 3 अगस्त, 2022 को आईएमडी और एमआईएस गूगल को शामिल करते हुए "एआई आधारित नाउकास्टिंग के कार्यान्वयन" पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. ए. भट्टाचार्य, वैज्ञानिक 'सी' और श्री देबदीप चक्रवर्ती, मेट 'ए' ने पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री की यात्रा पर 3 अगस्त, 2022 को NSCB हवाई अड्डे, पीएस में आयोजित समन्वय बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 5-6 अगस्त, 2022 के दौरान इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित "उद्योगों में स्थिरता प्राप्त करने के लिए आधुनिक प्रदूषण उपशमन तकनीक" पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।



संगोष्ठी के उद्घाटन के दौरान डॉ. एस. डी. अत्री

डॉ. पुलक गुहाठाकुरता, वैज्ञानिक 'एफ' ने आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च (एनआईएमआर), नई दिल्ली में 5 अगस्त, 2022 को आयोजित "वेक्टर-जनित रोग (वीबीडी) पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव" पर ऑनलाइन परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) की बैठक में भाग लिया।

डॉ. रणजीत सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 5, 10, 17 और 23 अगस्त, 2022 को सूखे पैरामीटर की निगरानी के लिए राज्य सरकार के साथ सूखा प्रबंधन के लिए फसल मौसम निगरानी समूह (सीडब्ल्यूडब्ल्यूजीडीएम) की बैठक में भाग लिया।

डॉ. शेषकुमार गोरोशी, वैज्ञानिक 'ई' ने टीएनएयू-एसीआरसी-आईएमडी-जीकेएमएस-क्षमता निर्माण बैठक में भाग लिया और 11 अगस्त, 2022 को ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) के तहत फसल विकास निगरानी के लिए इसरो-आईएमडी वनस्पति सूचना प्रणाली मंच का उपयोग प्रस्तुत किया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी', डॉ. शेषकुमार गोरोशी, वैज्ञानिक 'ई' और सुश्री प्रियंका सिंह, वैज्ञानिक 'सी' ने यूएनडीपी तथा आईएमडी द्वारा संयुक्त रूप से 11 अगस्त, 2022 को जापान द्वारा वित्तपोषित परियोजना, "जलवायु आपातकाल के जवाब में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन और जलवायु-लचीले विकास को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) का लाभ उठाना" के शुभारंभ में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 12 अगस्त, 2022 को वीसी के माध्यम से "मौजूदा सीजन (2022) के लिए खरीफ फसलों की बुवाई की स्थिति और मौसम पूर्वानुमान" पर प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने यूएनडीपी द्वारा आयोजित "जलवायु आपातकाल के जवाब में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन और जलवायु-लचीले विकास को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) का लाभ उठाना" परियोजना के शुभारंभ में भाग लिया।

श्री के. एस. होसालिकर, वैज्ञानिक 'जी', डॉ. ए. कश्यपी, वैज्ञानिक 'एफ', डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ', श्री यू. के. शंडे, वैज्ञानिक 'ई' और डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' ने 12 अगस्त, 2022 को "एनएफसीएस प्रस्तुति" पर ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

श्री. एन. टी. नियास, वैज्ञानिक 'डी' ने 16 अगस्त, 2022 को आयोजित पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय, केरल द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजना की तैयारी के संबंध में ऑनलाइन चर्चा में भाग लिया।

श्री कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने एनएसडीआई की प्रगति की समीक्षा के लिए 18 अगस्त, 2022 को भौतिक मोड में आयोजित "राष्ट्रीय स्थानिक डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर (एनएसडीआई) कार्यकारी समिति" की 15^{वीं} बैठक में भाग लिया।

श्री सोनम लोटस, वैज्ञानिक 'ई' ने 18 अगस्त, 2022 को श्री सुगत बिस्वास, आईएएस, सचिव आपदा प्रबंधन, लद्दाख की अध्यक्षता में लद्दाख में एडब्ल्यूएस के अवलोकन नेटवर्क को मजबूत करने के संबंध में एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 19 अगस्त, 2022 को स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रेवा यूनिवर्सिटी, कर्नाटक द्वारा आयोजित "मौसम संबंधी पूर्वानुमान और इंजीनियरों की भूमिका में अत्याधुनिक अभ्यास" पर सूचनात्मक साक्षात्कार में एक रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।

श्री बिक्रम सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 22 अगस्त, 2022 को सचिव, उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, उत्तराखंड सरकार की अध्यक्षता में 19 अगस्त को भारी वर्षा की घटना के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान के संबंध में एक बैठक में भाग लिया। श्री बिक्रम सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 19 अगस्त को भारी बारिश की घटना के लिए एम. सी. देहरादून द्वारा जारी "मौसम और पूर्वानुमान और चेतावनियों का अवलोकन" पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने मौसम पूर्वानुमान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुरकंडा जी में डीडब्ल्यूआर के संचालन और उत्तराखंड में और डीडब्ल्यूआर की स्थापना के बारे में भी पूछताछ की।

श्री एस. एम. मेत्री, वैज्ञानिक 'ई' और श्री बी. एस. मुरलीधर, मेट 'बी' ने 19 अगस्त, 2022 को विकास सौधा में जल संसाधन विभाग, जीओके द्वारा बुलाई गई सातवीं तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) की बैठक में भाग लिया।

डॉ. के. नागा रत्न, वैज्ञानिक 'ई' ने 26 अगस्त, 2022 को भारत के हैदराबाद में माननीय संस्कृति, पर्यटन और डोनर मंत्री, सरकार द्वारा आयोजित बैठक में कार्यालयों के प्रमुखों के साथ भाग लिया।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'ई', डॉ. सत्यभान बिशोय रत्न, वैज्ञानिक 'ई', सुश्री आरती बंडगर, वैज्ञानिक 'सी' और श्री प्रसाद भोर, मेट 'ए' ने एसएएससीओएफ-23 के संचालन के संबंध में 26 अगस्त, 2022 को ऑनलाइन पूर्व-तैयारी बैठक में भाग लिया।

डॉ. राजीव चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक 'ई' ने 26 अगस्त, 2022 को IISBWM कोलकाता और CII प्रायोजित पाठ्यक्रम कार्य में "जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों : पूर्वानुमान और जोखिम प्रबंधन" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. एस. बालचंद्रन, वैज्ञानिक 'एफ' ने 29 अगस्त, 2022 को पूर्वानुमान आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए श्री एस. के. प्रभाकर, आईएएस, राजस्व प्रशासन आयुक्त, तमिलनाडु सरकार के साथ बैठक की थी।

डॉ. जी. एन. राहा, वैज्ञानिक 'ई', श्री यू. दास, वैज्ञानिक 'सी' और श्री मनोज बिस्वाल, एस.ए. ने 29 अगस्त, 2022 को डीजीएम की अध्यक्षता में शहरी मौसम विज्ञान सेवा कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा करने के लिए बैठक में भाग लिया।

श्री जे. पी. गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ' ने 30 अगस्त, 2022 को प्रमुख सचिव (नमामि गंगेयूपी सरकार) की अध्यक्षता में "राज्य स्तरीय समिति बैठक भूजल अनुमान 2022" में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. सती देवी, वैज्ञानिक 'एफ' ने केएमएस 2022-2023 (केवल खरीफ फसल) सुनिश्चित करने के दौरान 30 तारीख को नई दिल्ली में धान/फोर्टिफाइड चावल और मोटे अनाज की खरीद अगस्त, 2022-23 की व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग की अध्यक्षता में बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 31 अगस्त, 2022 को साउथ ब्लॉक, पीएमओ, नई दिल्ली में 2022 में बाढ़ से प्रभावित राज्यों में स्थिति की समीक्षा करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने उत्तराखंड में पूर्व चेतावनी सेवाओं को मजबूत करने के संबंध में 1 सितंबर, 2022 को आपदा प्रबंधन विभाग, उत्तराखंड सरकार के सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा के साथ बैठक की थी।

डॉ. आर. के. गिरी, वैज्ञानिक 'एफ', आईएमडी ने 1 सितंबर, 2022 को जूम के माध्यम से कार्यान्वयन संस्थाओं और सहकर्मी सलाहकारों के साथ "व्यवस्थित अवलोकन वित्तपोषण सुविधा कार्यशाला" में भाग लिया।

डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, एमओईएस, डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी और डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक 'ई' और 1 सितंबर, 2022 को वीसी के माध्यम से पीएम के सलाहकार श्री तरुण कपूर की अध्यक्षता में अवलोकन बिंदु के रूप में "विमान का उपयोग करने के लिए मौसम की भविष्यवाणी" पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 2 सितंबर, 2022 को "सेंट्रल जियोलाजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड (सीजीपीबी) - XI ऑन जियोइन्फार्मेटिक्स एंड डेटा मैनेजमेंट" की 18^{वीं} बैठक में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी', डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी', डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 5 सितंबर, 2022 को डीजीएम, एमओईएस की अध्यक्षता में "किसानों द्वारा कृषि संबंधी जानकारी के उपयोग के लिए पुल प्रणाली का विकास" के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. द्विवेदी, वैज्ञानिक 'सी', श्री आर. के. महापात्र, मौसम विज्ञान 'बी' और श्री एस. पात्रा, एस. ए. ने डीएएफपी, ओडिशा सरकार के तहत डब्ल्यूएफपी द्वारा 5-9 सितंबर, 2022 से PICSA टूल का उपयोग करने वाले मास्टर ट्रेनर्स और एक्सटेंशन वर्कर्स पर आयोजित एक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।

श्री के एन मोहन, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. एस. ओ. शॉ, वैज्ञानिक 'एफ' को "जलवायु परिवर्तन" पर संगोष्ठी में भाग लेने के लिए 11 सितंबर, 2022 को राजभवन गुवाहाटी (असम) में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' और डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक 'ई' ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से 12 सितंबर, 2022 को आयोजित रीजनल एसोसिएशन II (आरए II) इंफ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप (डब्ल्यूजी-1) विशेषज्ञ टीम की बैठक में भाग लिया।

श्री सुरेंद्र पॉल, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री हरमिंदर दत्ता, मेट 'ए' ने 13 सितंबर, 2022 को कृषि निदेशक, हिमाचल प्रदेश की अध्यक्षता में पीएमएफबीवाई और आर-डब्ल्यूबीसीआईएस के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर सामान्य चर्चा के संबंध में कृषि निदेशालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला में बैठक में भाग लिया।

श्री पी. एस. कन्नन, वैज्ञानिक 'ई' ने 13 सितंबर, 2022 को सचिवालय में तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में "पूर्वोत्तर मानसून तैयारी बैठक" में भाग लिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 14 सितंबर, 2022 को "सेवाओं पर कार्यकारी समूह की विशेषज्ञ टीम की बैठक", डब्ल्यूएमओ, क्षेत्रीय संघ II में भाग लिया।

डॉ. एस. बालचंद्रन, वैज्ञानिक 'एफ' ने 15 सितंबर, 2022 को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम मंदिर परिसर के लिए आपदा प्रबंधन योजना के संबंध में एनडीएमए द्वारा आयोजित ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

श्री हरमीत सिंह साहनी, वैज्ञानिक 'ई' ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र में 15 सितंबर 2022 को आयोजित "जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य" से संबंधित बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. द्विवेदी, वैज्ञानिक 'सी' ने 17 सितंबर, 2022 को OSDMA, भुवनेश्वर में RIMES, थाईलैंड द्वारा "ओडिशा (SATARK) एप्लिकेशन के लिए एकीकृत आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए परिचालन प्रणालियों के लिए उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण" पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. जयंत सरकार, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री एस. जी. कांबले, वैज्ञानिक 'एफ' ने डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, एमओईएस और श्री गोपाल अयंगर, वैज्ञानिक 'जी', एमओईएस के साथ पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा 17 सितंबर, 2022 को आयोजित 'स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर' कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. डी. आर. पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 19 सितंबर, 2022 को होटल इंपीरियल, जनपथ में बैरन वेदर इंक., यूएसए के साथ बैठक की।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 22 सितंबर, 2022 को माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में "कृषि उपग्रहों" पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. ओ. शॉ, वैज्ञानिक 'एफ' ने 23 सितंबर, 2022 को "एसटी राडार डेटा की डाटा प्रोसेसिंग और एनकेएन अपलोड के लिए सॉफ्टवेयर के विकास" परियोजना के संबंध में परियोजना समीक्षा और संचालन समूह की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 29 सितंबर, 2022 को एनडीएमए द्वारा आयोजित वीसी के माध्यम से 6^{वीं} संचालन समिति की बैठक या कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) आधारित इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम में भाग लिया।

प्रशिक्षण

श्री राकेश कुमार, वैज्ञानिक 'सी', श्री ए. सी. रॉय, मेट. 'ए', श्री आर. सैकिया, मेट. 'ए', श्री ए. जे. भुइयां, मेट. 'ए', श्री एस. मोहदीकर, एस.ए., श्री एम. कुमार, एस.ए., श्री के. पाटगिरी, आर.एम., श्री पी. दत्ता, यांत्रिकी सहायक 22 जुलाई, 2022 से AWS/ARG के अन्य सेंसर के साथ-साथ सेंटैलाइट ट्रांसमीटर के प्रशिक्षण के लिए इंजन टेक्नोलॉजी, कानपुर के लिए रवाना हुए।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई', श्री सनी चुग, वैज्ञानिक 'सी' और श्रीमती कोमल श्रीवास्तव, एस.ए. ने एमएचए द्वारा संचालित तेजी से बढ़ते साइबर अपराध और निवारक उपाय डिजिटल और साइबर जोखिमों के बारे में अधिकारियों को जागरूक करने के लिए 15 सितंबर, 2022 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) में "साइबर हाइजीन" पर एक इंटरैक्टिव सत्र-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

व्याख्यान/बातचीत/वेबिनार

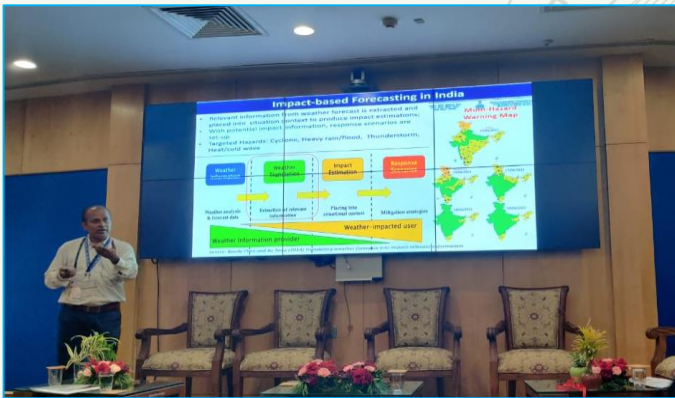
IMD और MoES ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में "मौसम और जलवायु विज्ञान और सेवाओं के विभिन्न मॉड्यूल" पर लघु आभासी व्याख्यान श्रृंखला शुरू की।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 1 जुलाई, 2022 को जियोलाॅजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "जलवायु परिवर्तन और प्रबंधन रणनीति" पर आमंत्रित वार्ता (वीसी) दी।

डॉ. सत्यबाण बिशोई रत्न, वैज्ञानिक 'ई' ने 15 जुलाई, 2022 को समुद्री विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद (सीएनआर-आईएसएमएआर), इटली में "भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून परिवर्तनशीलता: टेलीकनेक्शन और भविष्यवाणी" पर एक ऑनलाइन आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. दिव्या सुरेंद्रन, वैज्ञानिक 'सी' ने 20-21 जुलाई, 2022 को कुछ ऑनलाइन व्याख्यान दिए और राष्ट्रीय जल विज्ञान और मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएचएम), भूटान के कर्मचारियों के लिए "क्लाइमेट पैक्ट टूल" विषय पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए, जो डब्ल्यूएमओ भूटान का हिस्सा है। RIMES, थाईलैंड और NCHM, भूटान द्वारा आयोजित CST प्रशिक्षण कार्यक्रम।

डॉ. डी. आर. पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ' ने 18-19 जुलाई, 2022 को इसरो, नई दिल्ली में "जलवायु और पर्यावरण अध्ययन के लिए अंतरिक्ष आधारित सूचना समर्थन : भविष्य की राह" पर राष्ट्रीय कार्यशाला और विचार-मंथन बैठक में एक वार्ता दी।



डॉ. डी. आर. पटनायक, आईएमडी कार्यशाला के दौरान

श्री नहुष कुलकर्णी, वैज्ञानिक 'सी' को 29 जुलाई, 2022 को केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीएल) में "एमसी अग्रतला की पूर्व चेतावनी महत्व और मौसम संबंधी सेवाएं" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'ई' और डॉ. राजीव चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक 'ई' ने 2 अगस्त 2022 को केरल के त्रिवेंद्रम में पहली "केरल राज्य जलवायु परिवर्तन हितधारक परामर्श कार्यशाला" के दौरान क्रमशः "केरल राज्य के लिए जलवायु सेवाएं" और "जलवायु संकेतकों पर आधारित केरल में मलेरिया और डेंगू के प्रकोप का एक अध्ययन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' ने 3 अगस्त, 2022 को कोच्चि, केरल के नौसेना समुद्र विज्ञान और मौसम विज्ञान स्कूल के अधिकारियों को "कृषि मौसम विज्ञान प्रभाग के अधिदेश और गतिविधियां" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. (श्रीमती) मनोरमा मोहंती, वैज्ञानिक 'ई' ने एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज, अहमदाबाद द्वारा 3 अगस्त, 2022 को आयोजित "अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम-आपदा प्रबंधन और लचीलापन निर्माण में चक्रवात, बाढ़ और मौसम के लिए पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणाली" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 5 अगस्त, 2022 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर संकाय विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 10 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान "मौसम पूर्वानुमान और भारतीय जलवायु परिवर्तन" पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 12 अगस्त, 2022 को "एकीकृत नीति निर्माण को सक्षम करने के लिए सिस्टम विश्लेषण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "दक्षिण एशिया में बहु-खतरा पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए साझेदारी और सहयोग" पर स्कोप कन्वेंशन सेंटर, लोदी रोड, नई दिल्ली 10-12 अगस्त, 2022 के दौरान मुख्य भाषण दिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने टीआईएफएसी द्वारा आयोजित 10-12 अगस्त, 2022 को एकीकृत नीति निर्माण को सक्षम करने के लिए सिस्टम विश्लेषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हाइड्रो-मौसम संबंधी आपदाओं के प्रबंधन के लिए आईएमडी की पूर्व चेतावनी और पूर्वानुमान सेवाएं" पर एक प्रमुख वार्ता की।

डॉ. दिव्या सुरेंद्रन, वैज्ञानिक 'सी' ने 11 अगस्त, 2022 को जलवायु परिवर्तन अध्ययन संस्थान (आईसीसीएस), केरल द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला के एक भाग के रूप में "जलवायु परिवर्तन की बेहतर समझ के लिए क्षेत्र विशिष्ट जलवायु सूचकांकों का महत्व" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

श्री ए. के. सिंह, वैज्ञानिक 'ई' ने 13 अगस्त, 2022 को सेना कार्यालय पंचकुला में विनबैक्स-2022 (मानवतावादी सहायता और आपदा राहत अभ्यास के लिए वियतनाम और भारतीय सेना का एक संयुक्त अभ्यास) में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. ए. कश्यपी, वैज्ञानिक 'एफ' को वाकाड में आयोजित वार्षिक अंगूर संगोष्ठी, 2022 में 30 अगस्त, 2022 को "मौसम पूर्वानुमान और चरम घटनाओं की भविष्यवाणी की भूमिका" विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. (श्रीमती) मनोरमा मोहंती, वैज्ञानिक 'ई' ने 1 सितंबर, 2022 को आईआईपीएच, गांधीनगर में "मौसम विज्ञान और पूर्वानुमान" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. डी. आर. पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ' ने गंभीर मौसम पूर्वानुमान परियोजना-दक्षिण एशिया (एसडब्ल्यूएफपी-एसए) के दौरान "एसडब्ल्यूएफपी ग्लोबल सेंटर आईएमडी" पर डब्ल्यूएमओ द्वारा आयोजित 6-7 सितंबर, 2022 बैठक के दौरान क्षेत्रीय उपप्रोग्राम प्रबंधन टीम (आरएसएमटी) की ऑनलाइन आयोजित की गई थी। डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने बैठक की अध्यक्षता की।

श्री राजा आचार्य, मेट. 'ए' ने 12 सितंबर, 2022 को डब्ल्यूएमओ एसओटी (शिप ऑब्जर्वेशन टीम) द्वारा आयोजित डब्ल्यूएमओ एसओटी मेटाडेटा वेबिनार में भाग लिया।

श्री धन सिंह, मौसम विज्ञानी 'ए', श्री राजा आचार्य, मौसम विज्ञानी 'ए', सुश्री लक्ष्मी पाठक, एस.ए. और सुश्री ट्विंकल गोवर, एस.ए. ने 16-17 सितंबर, 2022 को डीजीएम पब्लिकेशन, एमओईएस, केसीआरनेट और एल्सेवियर वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 16 सितंबर, 2022 को आईजीएन ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "जलवायु, ओजोन और सतत जीवन" पर आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. एस. ओ. शां, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री सुनीत दास, वैज्ञानिक 'ई' को 19 सितंबर, 2022 को "हाइड्रो मौसम संबंधी उपकरण और मौसम पूर्वानुमान और अर्ली वामिंग सिस्टम" विषय पर व्याख्यान देने के लिए असम डॉन बास्को विश्वविद्यालय अजारा, गुवाहाटी द्वारा आमंत्रित किया गया था।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 23 सितंबर, 2022 को एनआईडीएम द्वारा आयोजित वेबिनार "2047 - आपदा जोखिम न्यूनीकरण" में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने टैंगो रूम में द इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स बेस्ट टेक ब्रांड्स के तीसरे संस्करण में "इन द आई ऑफ द स्टॉर्म : टैकलिंग नेचुरल कैलेमिटीज थ्रू प्रिसाइज प्रोजेक्शंस" विषय पर विशिष्ट मुख्य भाषण दिया। 23 सितंबर, 2022 को ताज विवांता, बेंगलुरु।

डॉ. एस. बालचंद्रन, वैज्ञानिक 'एफ' ने 23 सितंबर, 2022 को साउथ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में "ब्लू इकोनॉमी के लिए मौसम और जलवायु सेवाओं की भूमिका" पर बात की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 26-30 सितंबर, 2022 के दौरान साउथ एशियन क्लाइमेट आउटलुक फोरम (एसएएससीओएफ-23) और क्लाइमेट सर्विसेज यूजर फोरम (सीएसयूएफ) के तेईसवें सत्र में भाग लिया।

डॉ. सबीर अली, वैज्ञानिक 'सी' 26-29 सितंबर, 2022 को आयोजित दक्षिण एशियाई जलवायु आउटलुक फोरम (एसएएससीओएफ-23) के तेईसवें सत्र में "उत्तर हिंद महासागर (एनआईओ) पर प्रायोगिक उष्णकटिबंधीय चक्रवात मौसमी पूर्वानुमान" विषय पर वार्ता की।

पैनल चर्चा/साक्षात्कार

श्री सनी चुग, वैज्ञानिक 'सी' ने 19 - 22 जुलाई 2022 के दौरान महिका हॉल, एमओईएस में अंटार्कटिका में 42वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान के लिए रसद टीम का चयन करने के लिए साक्षात्कार पैनल के सदस्य के रूप में भाग लिया।

प्रस्तुतियों

डॉ. एस बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' ने भारत के, भूगोल विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय के सहयोग से एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और 21 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), एमएचए, सरकार द्वारा आयोजित "बाढ़ और चक्रवातों के विशेष संदर्भ के साथ इमारतों के लचीलेपन के उपाय" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक प्रस्तुति दी।

नामांकन

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने श्री एस. सी. भान, वैज्ञानिक 'एफ' को वन हेल्थ इंटर-मिनिस्ट्रियल डिक्लेरेशन को अंतिम रूप देने और प्रस्तावित "वन हेल्थ कॉन्क्लेव" एजेंडा की योजना बनाने के लिए एमओईएस से नोडल व्यक्ति के रूप में नामित किया।

विदेश प्रतिनियुक्ति

श्री अरुलालन टी., वैज्ञानिक 'सी', संख्यात्मक मौसम भविष्यवाणी, भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बोल्डर, कोलोराडो, यूएसए में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और मौसमी विज्ञान और अनुप्रयोग कार्यशाला - 2022 के उप-मौसम में "एनसीयूएम-ईआरपी का उपयोग करते हुए पश्चिमी विक्षोभ ट्रैक की भविष्यवाणी: एक महीने आगे" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

श्री एम. आई. अंसारी, वैज्ञानिक 'ई' को लिंडेनबर्ग, जर्मनी में 5-9 सितंबर, 2022 तक "डब्ल्यूएमओ 2022 अपर-एयर इंस्ट्रूमेंट इंटरकंपेरिसन" में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।

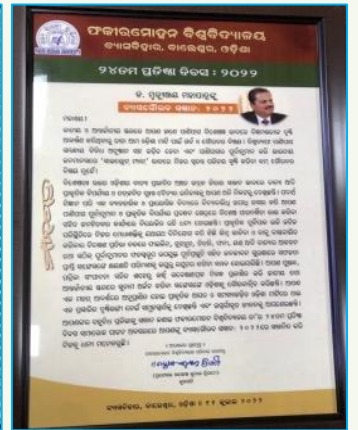
डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक 'ई' 19-21 सितंबर, 2022 के दौरान एम्स्टर्डम, नदरलैंड में WMO कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (CAP) कार्यान्वयन कार्यशाला और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त पर थे।

डॉ. सोमनाथ दत्ता, वैज्ञानिक 'एफ' की प्रतिनियुक्ति, एमटीआई पुणे, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में 19-23 सितंबर से "ईसी क्षमता विकास पैनल (सीडीपी) की 5^{वीं} बैठक" में भाग लेने के लिए की गई।

उपलब्धियां/प्रशंसाएं/प्राप्त पुरस्कार

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी को अगस्त, 2022 में "प्रख्यात व्यक्ति अनुसंधान प्रयोगशालाओं से बाहर" श्रेणी के तहत IIIA वडोदरा के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

ओडिशा के माननीय राज्यपाल और एफएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. गणेशी लाल ने डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी को विज्ञान (मौसम विज्ञान) के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए व्यास गौरव सम्मान प्रदान किया, जिसके कारण चक्रवात में प्रतिमान बदलाव आया है। भारत में चेतावनी सेवाओं और मरने वालों की संख्या को दो अंकों में कम करने में सक्षम बनाया।



श्री पी. एस. बीजू, वैज्ञानिक 'ई' (आईएमडी) को 27 जुलाई, 2022 को एमओईएस के स्थापना दिवस के अवसर पर योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

अवसंरचना विकास और प्रतिष्ठान

शुरू की गई नई परियोजनाएं/योजनाएं

स्कैटरोमीटर आरवीआर जुलाई, 2022 में अगरतला और लेंगपुई में स्थापित किया गया और अगस्त, 2022 में तिरुपति हवाई अड्डे पर डीवाईडब्ल्यूई स्थापित किया गया है।

DCWIS को गन्नवरम हवाई अड्डे पर, DCWIS और PWD के साथ भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर और कोल्हापुर हवाई अड्डे पर सितंबर, 2022 में स्थापित किया गया।

पीडब्ल्यूडी को सितंबर 2022 से जयपुर और अमृतसर हवाई अड्डे पर स्थापित किया गया।

राजभाषा अनुभाग

डॉ. एस. बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' ने में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की अध्यक्षता की और एक सरकारी कर्मचारी के दैनिक जीवन में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक भाषण भी दिया।

राजभाषायी निरीक्षण

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 26 अगस्त, 2022 को मौसम केंद्र बेंगलूर तथा हवाई अड्डा मौसम स्टेशन कोयंबटूर का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में मुख्यालय की मुख्य रूप से महानिदेशक महोदय डॉ. मृत्युंजय महापात्र तथा उपनिदेशक (राजभाषा) श्रीमती सरिता जोशी ने भाग लिया। दोनों कार्यालयों का निरीक्षण सफल रहा।



माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 26 सितंबर, 2022 को मौसम केंद्र-तिरुवनंतपुरम का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में मुख्यालय की ओर से डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' तथा श्रीमती सरिता जोशी, उपनिदेशक (राजभाषा) ने भाग लिया।

हिंदी दिवस समारोह

मुख्यालय में हिंदी दिवस समारोह 2022 का दिनांक 29 सितंबर, 2022 को सफल आयोजन किया गया। हिंदी दिवस समारोह की अध्यक्षता डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक महोदय ने की तथा इस समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती प्रमिला भारती, सुप्रसिद्ध गीत गज़लकार रही। मुख्यालय में हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा 2022 के दौरान आयोजित की गई 06 प्रतियोगिताओं के 30 विजेताओं को महानिदेशक महोदय डॉ. मृत्युंजय महापात्र एवं मुख्य अतिथि श्रीमती प्रमिला भारती तथा हिंदी दिवस समारोह समिति के अध्यक्ष डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' के हाथों से पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। माननीय महानिदेशक महोदय डॉ. मृत्युंजय महापात्र जी द्वारा विभागीय गृह पत्रिका 'मौसम मंजूषा के 35^{वें} संस्करण' का विमोचन किया गया।

अनुसंधान और प्रकाशन

मौसम (खंड 73, अंक 3), जुलाई, 2022 अंक में इक्कीस (21) शोध लेख प्रकाशित किए गए। मौसम और अन्य अतिरिक्त विभागीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेख निम्नलिखित हैं जिन्हें आईएमडी के अधिकारियों द्वारा लिखा गया है:

साहू, राजेश कुमार, भीष्म त्यागी, नरेश कृष्ण विस्सा और मृत्युंजय महापात्र, 2022, "पूर्व-मानसून थंडरस्टॉर्म सीजन क्लाइमेटोलॉजी ऑफ कन्वेक्टिव अवेलेबल पोटेंशियल एनर्जी (CAPE) एंड कन्वेक्टिव इनहिबिशन (CIN) ओवर ईस्टर्न इंडिया", मौसम, 73, 3, 565-86। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.12471>

रे, के. और कन्नन, बी., 2022, "वैलिडेशन ऑफ क्लाउड बस्ट ओवर चेन्नई इन 2015 यूजिंग राडार डेटा", मौसम, 73, 3, 587-596। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.214>

पई, डी.एस. और स्मिता नायर, 2022, "इम्पैक्ट ऑफ एल-नीनो-सदर्न ऑसिलेशन (ENSO) ऑन एक्सट्रीम टेम्परेचर इवेंट्स ओवर इंडिया", मौसम, 73,3, 597-606, doi: <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.5932>

अंसारी, एम. आई., और रंजू मदान, 2022, "सस्टेनेस ऑफ ग्लोबल क्लाइमेट ऑब्जर्वेशन सिस्टम अपर एयर नेटवर्क (GUAN) ऑफ इंडिया मीटीओरोलॉजिकल डिपार्टमेंट", मौसम, 73, 3, 637-650। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.21971>

तोमर, सी.एस. 2022. "23 मई, 2016 को उत्तर पश्चिमी भारत में अभूतपूर्व मौसम गतिविधि", मौसम, 73, 3, 705-709। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.59381>

फुकन, रंजन, शिविंदर सिंह, और डी. साहा, 2022, "स्थिरता सूचकांकों का उपयोग करके अगरतला में तूफानों के पूर्वानुमान के लिए एक वस्तुनिष्ठ विधि", मौसम, 73, 3, 710-716। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.59391>

थपलियाल, रोहित, 2022 "भारती स्टेशन, लार्समैन हिल्स, अंटार्कटिका में 37वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान के दौरान अंटार्कटिका में देखे गए समतापमंडलीय ओजोन और मौसम संबंधी मापदंडों का विश्लेषण", मौसम, 73, 3, 607-616। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.13221>

सिंह, टी. पी. और एस.एम. देशपांडे, 2022, "भारतीय स्टेशनों पर 1951-80 के औसत मूल्यों के संबंध में अवधि 1981-2010 के तापमान और वर्षा के साधनों में परिवर्तन", मौसम, 73, 3, 499-510। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.59301>

नस्कर प्रवाहनाबी और सोमनाथ नस्कर, 2022, "ए न्यू न्यूरोकंप्यूटिंग अप्रोच फॉर मीडियम-रेंज टेम्परेचर प्रेडिक्शन", मौसम, 73, 3, 537-54। <https://doi.org/10.54302/mausam.v73i3.59311>

सत्य प्रकाश और एससी भान, 2022, "उत्तर हिंद महासागर चक्रवातों के लिए इन्सैट-3डी-व्युत्पन्न उच्च-रिज़ॉल्यूशन रीयल-टाइम वर्षा उत्पादों का आकलन", प्राकृतिक खतरे (स्प्रिंगर प्रकृति), 999999, 1-17, 10.1007/s11069-022-05582-7।

तपज्योति चक्रवर्ती, संदीप पटनाइक, हिमाद्री बैस्य और विजय विश्वकर्मा, 2022, "एक युग्मित मॉडलिंग फ्रेमवर्क का उपयोग करते हुए उष्णकटिबंधीय चक्रवात पाइलिन में महासागर उप-सतह प्रक्रियाओं की जांच: समुद्र की स्थितियों के प्रति संवेदनशीलता", एमडीपीआई महासागर, 3, 3, 364-388, <https://doi.org/10.3390/oceans30300251>

रिजवान अहमद, मृत्युंजय महापात्र, सुनीत दविवेदी, राम कुमार गिरि, शशिकांत, 2022, "उत्तर हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात की तीव्रता का अनुमान लगाने के लिए उपग्रह सहमति (SATCON) एल्गोरिदम का अवलोकन", JESS- स्प्रिंगर नेचर, ISSN 0253-4126, eISSN 0973-774X (ऑनलाइन), 131, 3, 100-100, <https://doi.org/10.1007/s12040-022-01901-51>

प्रफुल्ल यादव, अविनाश एन. परदे, नरेंद्र गोकुल धनगर, गौरव गोवर्धन, दीन मणि लाल, संदीप वाघ, दसारी एस.वी.वी.डी. प्रसाद, रिजवान अहमद और सचिन डी. घुडे, 2022, "अवलोकन का उपयोग करके दिल्ली पर घने कोहरे की घटना की उत्पत्ति को समझना और उच्च-रिज़ॉल्यूशन मॉडल प्रयोग", मॉडल पृथ्वी प्रणाली पर्यावरण, 2022, <https://doi.org/10.1007/s40808-022-01463-x1>

अन्वेसा भट्टाचार्य, चंद्र वेंकटरमण, तन्मय सरकार, अमित कुमार शर्मा, अरुशी शर्मा, एस. आनंद, दिलीप गांगुली, रोहिणी भवर, सग्निक डे, सुदीप्त घोष, 2022, "भारत में एरोसोल जीवनचक्र का विश्लेषण: तीन सामान्य परिसंचरण का COALESCE

इंटरकंपेरिसन मॉडल", भूभौतिकीय अनुसंधान जर्नल: वायुमंडल, 127, e2022JD036457, <https://doi.org/10.1029/2022JD036457>

चंद्र, कविता, महालक्ष्मी, डी.वी., कंचना, ए.एल., महेश, पी., धर्मराजू, ए. और दसारी, माधवप्रसाद, "वायु प्रदूषण और कोविड-19: कोई कारणात्मक संबंध?" पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन, 33, 1, 32-45। <https://doi.org/10.2478/oszn-2022-0003>

ए. मुन्सी, ए. पी. केसरकर, जे.एन. भाटे, के. सिंह, ए. पांचाल, जी. कुट्टी, एम. एम. अली, आशीष राउत्रे और आर. के. गिरी, 2022, "उत्तर भारतीय महासागरों पर तेजी से तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के तीन दुर्लभ मामलों के दौरान वायुमंडल ऊपरी महासागर की बातचीत", जर्नल ऑफ ओशनोग्राफी <https://doi.org/10.1007/s10872-022-00664-3>.

अर्पिता मुन्सी, अमित केसरकर, ज्योति भाटे, कस्तूरी सिंह, अभिषेक पांचाल, गोविंदन कुट्टी और राम कुमार गिरि, 2022, "नकली गतिशीलता और थर्मोडायनामिक्स प्रक्रियाएं जो उत्तर भारतीय महासागरों पर दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की तीव्र तीव्रता के लिए अग्रणी हैं", जेस, <https://doi.org/10.1007/s12040-022-01951-9>

रामाश्रय, यादव, आर. के. गिरी, एस.सी. भान, 2022, "इनसैट-3डी इमेजर का उच्च-रिज़ॉल्यूशन आउटगोइंग लॉन्ग वेव रेडिएशन डेटा (2014-2020) और क्लाउड्स एंड अर्थस रेडियंट एनर्जी सिस्टम (सीईआरईएस) डेटा के साथ इसकी तुलना", अंतरिक्ष में प्रगति अनुसंधान (2022), डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.asr.2022.05.053>

रामाश्रय यादव, आर. के. गिरी, एन. पुविरासन और एस.सी. भान, 2022, "वार्षिक, मौसमी, मासिक और दैनिक IPWV विश्लेषण और भू-आधारित GNSS-IPWV की मासिक सीमा के आधार पर भारतीय उपमहाद्वीप पर वर्षा का पूर्वानुमान", अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रगति, <https://doi.org/10.1016/j.asr.2022.07.01>

कविता चंद्र, धर्म राजू, एस.वी.जे. कुमार, माधव प्रसाद दसारी और वाई. के. रेड्डी, 2022, "राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में कोहरे और परिणामी आर्थिक प्रभावों के कारण उड़ान नेविगेशन पर परिचालन बाधाएं", एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, पर्यावरण और प्रदूषण, 19, 4, 25-32, 10.3233/AJW220052।

गुहाठाकुरता, पी. और वाघ, एन., 2022 "एसपीआई और एसपीआईआई का उपयोग करके दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर के देशों में सूखे का विश्लेषण और ग्लोबल एसएसटी के साथ उनका संबंध", प्राकृतिक संसाधन और विकास जर्नल, 12, 60-81। <https://doi.org/10.18716/ojs/jnrd/2022.12.04>

ए. ए. फौंसिया, जी. एच. अरविंद, एच. अच्युतन, एस. चक्रवर्ती, आर. चट्टोपाध्याय, ए. दत्ते, सी. मुरकुटे, ए. एम. लोन, आर. एच. कृपलानी, एम. जी. भारत के दक्षिणी भागों में वायुमंडल के थर्मोडायनामिक चर", जल संसाधन अनुसंधान, 58, e2021WR030855। <https://doi.org/10.1029/2021WR030855>

माननीय मंत्री, पृथ्वी विज्ञान द्वारा 27 जुलाई, 2022 को एमओईएस स्थापना दिवस पर "भारत में वेधशालाओं की जलवायु संबंधी सारणी 1991-2020" जारी की गई।

चक्रवात चेतावनी प्रभाग, आईएमडी ने सितंबर, 2022 में "टीसीपी-21 (संस्करण 2022)" तैयार किया। इसे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा प्रकाशित किया गया था और आरएसएमसी की वेबसाइट www.rsmcnewdelhi.imd.gov.in पर भी डाला गया था।

आउटरीच और मीडिया इंटरैक्शन

IMD ने YouTube, Facebook, Twitter और IMD वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी और हिंदी में लगभग 5 मिनट की अवधि का दैनिक मौसम पूर्वानुमान वीडियो जारी किया। आईएमडी के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा

नियमित रूप से क्षेत्रीय भाषाओं में पूर्वानुमान वीडियो जारी किए गए थे। वेबसाइट और सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरुवार को विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक) पर साप्ताहिक वीडियो जारी किया गया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 22 अगस्त, 2022 को जूम के माध्यम से संसद टीवी द्वारा आयोजित "मानसून के बदलते पैटर्न" पर चर्चा करते हुए प्राइम टाइम अंग्रेजी शो "परिप्रेक्ष्य" के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

डॉ. गीता अग्निहोत्री, वैज्ञानिक 'एफ' ने जुलाई से सितंबर 2022 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया द्वारा मौसम संबंधी 45 पूछताछ का जवाब दिया।

श्री ए. प्रसाद, वैज्ञानिक 'डी' द्वारा दैनिक आधार पर मौसम के पूर्वानुमान पर कन्नड़ में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को 40 मौसम पूछताछ और 45 वीडियो बाइट्स व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से भेजे गए।

डॉ. एच. आर. बिस्वास, वैज्ञानिक 'एफ' ने सरकार के प्रमुख अधिकारियों को इस अवधि के दौरान प्रणाली, इसकी तीव्रता और आंदोलन के बारे में ओडिशा, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बारे में जानकारी दी

आगतुकों

नाइजीरिया के प्रतिनिधिमंडल ने 20 जुलाई, 2022 को आईएमडी का दौरा किया।

श्री डी. एस. मिश्रा, मुख्य सचिव, यूपी ने 8 अगस्त, 2022 को डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी और वैज्ञानिकों के साथ उत्तर प्रदेश में अवलोकन नेटवर्क में सुधार और आईएमडी से तकनीकी सहायता के बारे में चर्चा करने के लिए आईएमडी का दौरा किया।

हीरालाल मजूमदार मेमोरियल कॉलेज फॉर वुमेन, कोननगर, हुगली की छात्राओं ने 26 अगस्त, 2022 को आरएमसी कोलकाता का दौरा किया।

अन्ना इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई द्वारा आयोजित 'तटीय जोखिम प्रबंधन' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के मध्य स्तर के अधिकारियों ने 18 अगस्त, 2022 को आरएमसी चेन्नई का दौरा किया।



राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अधिकारियों ने 28 जुलाई, 2022 को मौसम संबंधी सेवाओं के कामकाज को समझने के लिए एमसी अग्रतला का दौरा किया।